अब्दुल बारी मेमोरियल कॉलेज, जमशेदपुर
इंटरमीडिएट, द्वितीय वर्ष (वाणिज्य एवं कला)
विषय - 'हिन्दी कोर' (गद्य भाग)
पाठ का नाम - चाली चैप्लिन यानी हम सब
लेखक का नाम - विष्णु खरे

(वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर)

प्रश्न: 'चाली चैप्लिन यानी हम सब' रचना के रचनाकार कौन है?
उत्तर - विष्णु खरे

प्रश्न: विष्णु खरे का जन्म कब और कहाँ हुआ?
उत्तर - सन् 1940 ई० मध्यप्रदेश में

प्रश्न: विष्णु खरे का प्रमुख कविता संग्रहों के नाम लिखे?
उत्तर - एक - गैर रूमानी समय में, खुद अपनी आँख से, सबकी आवाज़ के पर्दे में आदि।

प्रश्न: विष्णु खरे के प्रमुख आलोचनाओं के नाम लिखे।
उत्तर - आलोचना की पहली किताब, सिनेमा पढ़ने के तरीके आदि।

(लघुउत्तरीय प्रश्नोत्तर)

प्रश्न- चार्ली चैप्लिन की जिंदगी ने उन्हें कैसा बना दिया? 'चार्ली चैप्लिन पानी धम सब' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- चार्ली एक परित्यक्ता, दूसरे दर्जे की स्टेज अभिनेत्री के बेटे थे। उन्होंने भयंकर गरीबी और माँ के पागलपन से संघर्ष करना सिखा। साम्राज्यवाद, औद्योगिक क्रांति, पूँजीवाद तथा सामंतशाही से भगोड़े एक समाज का तिरस्कार उन्होंने सहन किया। इसी कारण मासूम चैप्लिन को जो जीवन-मूल्य मिले, वे करोड़पति हो जाने के बाद भी अंत तक उनमें रहे। इन परिस्थितियों ने चैप्लिन में भीड़ का वह बच्चा सदा जीवित रखा, जो इशारे से बतला देता है कि राजा भी उतना ही नंगा है, जितना मैं हूँ और हंस देता है। यही वह कलाकार है, जिसने विषम परिस्थितियों में भी हिम्मत से काम लिया।

प्रश्न- चार्ली चैप्लिन कौन था? उसके 'भारतीपकरण' से लेखक का क्या आशय है?

उत्तर- चार्ली चैप्लिन पश्चिम का महान कलाकार था जिसने हास्य मूक फिल्में बनाई। उसकी फिल्मों में हास्य करुणा में बदल जाता था। भारतीय रस सिद्धान्त में इस तरह का परिवर्तन नहीं

पापा जाता। यहाँ फिल्म का अभिनेता स्वयं पर नहीं हँसता। राजकपूर ने आवारा फिल्म को 'द ट्रैम्प' के आधार पर बनाया। इसके बाद श्री पृथ्वी व कई अन्य फिल्मों के कलाकारों ने चार्ली का अनुकरण किया।

प्रश्न 7. चार्ली के व्यक्तित्व की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- चैप्लिन के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं जिनके कारण उन्हें भुलाना कठिन है—

(i) चार्ली चैप्लिन सदैव खुद पर हँसते थे।
(ii) वे सदैव युवा या बच्चों जैसा दिखते थे।
(iii) कोई भी व्यक्ति उन्हें बाहरी नहीं समझता था।
(iv) उनकी फिल्मों में हास्य कब करुणा के भाव में परिवर्तित हो जाता था, पता नहीं चलता था।

प्रश्न 8. चार्ली के जीवन पर प्रभाव डालने वाली घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- चार्ली के जीवन पर दो घटनाओं का प्रमुख प्रभाव पड़ा, जो निम्नलिखित है—

(i) एक बार चार्ली बीमार हो गया। उस समय उसकी माँ ने बाइबिल से ईसा मसीह का जीवन चरित्र पढ़कर सुनाया। ईसा के सूली पर चढ़ने के प्रसंग पर माँ बेटे दोनों रोने लगे। इस कथा से उसने करुणा, स्नेह व मानवता का पाठ पढ़ा।

(ii) दूसरी घटना चार्ली के घर के पास की है।

पास के कसाईखाने से एक बार एक भेड़ किसी प्रकार जान बचाकर भाग निकली। उसको पकड़ने के लिए उसके पीछे भागने वाले कई बार फिसलकर सड़क पर गिरे जिसे देखकर दर्शकों ने हंसी के ठहाके लगाए। इसके बाद भेड़ पकड़ी गई। चार्ली ने भेड़ के साथ होने वाले व्यवहार का अनुमान लगा लिया। उसका हृदय करुणा से भर आया। हास्य के बाद करुणा का यही भाव उसकी माली फिल्मों का आधार बना।

प्रश्न 7 'चार्ली चैप्लिन' का जीवन किस प्रकार हास्य और त्रासदी का रूप बनकर भारतीयों को प्रभावित करता है? उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर- चार्ली चैप्लिन का जीवन हास्य और त्रासदी का रूप बनकर भारतीयों को निम्नलिखित प्रकार से प्रभावित करता है—

(i) प्रसिद्ध भारतीय सिनेजगत के कलाकारों - राजकपूर, दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, देवानंद आदि, के अभिनय पर चार्ली चैप्लिन के अभिनय का प्रभाव देखा जा सकता है।

(ii) चार्ली चैप्लिन के असंख्य प्रशंसक भारतीय हैं जो उनके अभिनय को बहुत पसंद करते हैं।

(iii) उन्होंने जीवन की त्रासदी भरी घटनाओं को भी हास्य द्वारा अभिव्यक्त करके दर्शकों को प्रभावित किया।